



KNCP

Committed to Quality Pharmacy Education & Training

Amar Sewa Mandal's

Kamla Nehru College of Pharmacy

Butibori, Nagpur 441 108

Affiliated to Rashtrasant Tukadoji Maharaj Nagpur University, Nagpur

Approved by AICTE & Recognised by PCI.

E-mail: kncpbutibori@gmail.com

Website: knpharmacycollege.ac.in

Activities Performed During Lockdown from Kamla Nehru College of Pharmacy, Butibori, Nagpur.

फार्मासिस्ट टाईम्स

नागपुर दि. 14 से 20 मई 2020

5

कोरोना वैश्विक महामारी में हरसंभव मदद के लिए वंजारी कॉलेज भी आगे

कमला नेहरू फार्मसी कॉलेज में ऑनलाइन अध्ययन उपक्रम

नागपुर। अमर सेवा मंडल नागपुर द्वारा संचालित कमला नेहरू फार्मसी महाविद्यालय बुटीबोरी में बी. फार्मसी व एम. फार्मसी पाठ्यक्रम चल रहे हैं। और छो फार्मसी कोर्स इसी साल शुरू होने जा रहा है। कोरोना महामारी के वजह से सरकार द्वारा घोषित लॉकडाउन से सभी कॉलेज बंद हैं। छात्रों का शैक्षणिक नुकसान न हो इसलिए राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय नागपुर और महाराष्ट्र तंत्रशास्त्र संचालनालय, मुंबई के संयुक्त निर्देश के तहत महाविद्यालय में ऑनलाइन कक्षाएं शुरू की गयीं।

प्राध्यापक द्वारा मूल क्लासरूम से छात्रों को शैक्षणिक वीडियो, नोट्स और अन्य सामग्री भेजते हैं और इसकी समीक्षा करते हैं, साथ ही प्रत्येक विषय के ऑनलाइन वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की जांच करते हैं। प्राध्यापकों ने सभी विषय के लिए प्रश्नों को तैयार किया और उन्हें समूह में भेजा है।

बी फार्मसी प्रथम वर्ष के लिए प्रो. कविता पांडेय, द्वितीय वर्ष के लिए प्रो. परिमल कटोलकर, तृतीय वर्ष के लिए प्रो. रुचि शिवहरे, अंतिम वर्ष के लिए प्रो. महेंद्र गुंडे तथा एम. फार्मसी के लिए प्रो. मंगेश गोडबोले, प्रो. प्रवीण सुहसे और प्रो. दिशा धार्वडे ने समन्वयक के रूप में कार्य किया। कॉलेज के प्रोफेसरों ने मूडल, स्वीम और अन्य ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरे किए हैं जबकि कुछ ने इसके लिए पंजीकरण किया है। क्लासरूम, यूट्यूब, ईमेल, जूमअप और अन्य शैक्षिक ऐप के माध्यम से छात्रों - प्रोफेसरों को बिच सवाद करके छात्रों को शिक्षित किया जा रहा है। छात्र इस गतिविधि पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

इस ऑनलाइन उपक्रम के लिए महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. जगदीश बाहेती का बहुमूल्य मार्गदर्शन मिला। उन्होंने महाविद्यालय में हो रही ऑनलाइन शैक्षिक गतिविधियां और लॉकडाउन के दौरान प्रोफेसरों द्वारा किए गए अन्य शैक्षणिक कार्यों की गतिविधियों को प्रोत्साहित किया और समीक्षा की। सभी प्रोफेसरों ने छात्रों के लिए शैक्षिक सामग्री बनाकर ऑनलाइन कक्षा की गतिविधियों को सफल बनाया है।

प्राचार्य डॉ. बाहेती के नेतृत्व में

प्राध्यापकों ने चलाये विविध उपक्रम देश के विभिन्न विद्यालयों में पढ़ रहे विद्यार्थियों के लिए कोविड-19 सर्वलपटी महामारी इस शीर्षक के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर की इ-पोस्टर प्रतियोगिता तथा कोविड-19 एक संकट इस शीर्षक के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर की इ-निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दोनों प्रतियोगिता में 200 से ज्यादा विद्यार्थियों ने काग्रेस उत्साह से भाग लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य ने स्वयं कोविड-19 महामारी के दौरान छात्र मनोविज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य के ऊपर प्रस्तावना एवं संवेक्षण किया जो विशुद्ध रूप से शैक्षिक अनुसंधान उद्देश्य के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। इसके अलावा उन्होंने अंतःविषय गतिविधियों के तहत हिस्सेदार महाविद्यालय नागपुर के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के साथ मिलकर कोविड संवाद अधिकार जागरूकता प्रश्नोत्तरी आयोजित की जिसमें 700 से ज्यादा अध्यापक और विद्यार्थी



ने सहभाग लिया। महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकों द्वारा निम्नलिखित विभिन्न विषयों में ई-सर्टिफिकेट कोर्स चलाये गए जिसमें अन्य महाविद्यालयों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों द्वारा भाग लिया गया। नैनोएन्टिबियोसोम - एक उपन्यास दवा चाबक, यूवी विजिबल स्पेक्ट्रोस्कोपी, फार्मा क्रिज 2020, हबल ड्रग टेक्नोलॉजी, कोविड-19 जागरूकता प्रश्नोत्तरी, पेटेंट की मूल बातें, औद्योगिक खतरा और सुरक्षा उपाय, कम्यूटेजेशन दवा की खोज और डिजाइन, मानव जैविक परियोजना, एनबीए के लिए सीखने का कर निर्धारण, प्रशिक्षण पर प्रश्नोत्तरी, फार्माकोविजलेंस और कोविड 19 पर प्रश्नोत्तरी। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थी को ई-सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। उपरोक्त गतिविधि के लिए हर स्तर से कामो उत्साह प्रतिसाद और सराहनाएं मिलीं। डॉ. बाहेती ने इस संकट की घड़ी में विन्यास करते हुए आगे बढ़ाने की लिए अपने सहयोगियों को प्रोत्साहित किया, जो हमेशा करते हैं हर प्रतिकूलता एक अवसर प्रदान करती है इससे सारे प्राध्यापक उत्साहित हुए और उन्होंने महाविद्यालय और स्वयं के शैक्षणिक प्रगति के लिए विभिन्न ऑनलाइन गतिविधियों में भाग लिया इसका सारांशपूर्ण परिणाम ये हुआ की इस लॉकडाउन अवधि के दौरान महाविद्यालय ने 2 राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता अव्योक्त की, 25 ई-सर्टिफिकेट कोर्स संचालित किये, दूसरे महाविद्यालयों एवं अन्य माध्यमों द्वारा संचालित 360 ई-सर्टिफिकेट कोर्स में भाग लिया, महाविद्यालय के विद्यार्थियों का शैक्षणिक नुकसान न हो इसलिए जूम अप और अन्य माध्यमों द्वारा 200 से ज्यादा कक्षाएं ली गईं, 2 वेबिनार बनाये गए और 60 अलग अलग में भाग लिया गया, 10 प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में पेपर प्रकाशित हुए और 30 पेपर भेजे गए। अमर सेवा मंडल की अध्यक्ष डॉ. सुहासिनी



कमला नेहरू फार्मसी महाविद्यालय सामाजिक दायित्व में आगे : एंड. वंजारी

अमर सेवा मंडल नागपुर द्वारा संचालित कमला नेहरू फार्मसी महाविद्यालय बुटीबोरी के सचिव एंड. अभिजित वंजारी ने कहा की, महाविद्यालय हमेशा से ही अपनी प्रगति के साथ साथ सामाजिक गतिविधियों में आगे रहा है और इस वैश्विक महामारी में जब समाज को उसकी सही में जरूरत है, तो कैसे पीछे रहता। महाविद्यालय में देश के विभिन्न भागों से विद्यार्थी पढ़ने आते हैं, इस संकट की घड़ी में प्राचार्य और प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के लिए सार्वजनिक गतिविधियां निर्धारित की गयीं जो सबने अपने आसपास के इलाकों में जाकर आयोजित की गयीं जैसे की, लोगों को इस वैश्विक महामारी के बारे में विस्तृत से बताया गया, उसके निवारक उपाय, सामाजिक दूरी, एक हजार से ज्यादा मास्क और सैनिटाइजर बांटे गए, सामाजिक माध्यमों में फैल रही अफवाहों और सख्तों के बारे में बताया गया, जलरतमंद लोगों की हर संभव मदद की गयीं उन्हें भोजन, धान्य, कपड़े और सभी जरूरी सामान बांटे गए, लोगों की आरोग्य सेवु और अन्य उपयोगी ऐप के बारे में और उसके उपयोग के बारे में बताया गया साथ ही प्रधानमंत्री रहत कोष और मुख्यमंत्री सहायता निधि में दान किया गया।



एंड. अभिजित वंजारी

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बाहेती का टेलीविज़न साक्षात्कार

एक टेलीविज़न साक्षात्कार में डॉ. बाहेती ने विद्यार्थियों को इस वैश्विक महामारी की चिंता न करने हुए आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवधि को कैसे अपने समवेशी विकास के लिए उपयोगी लाया जाय इसके बारे में विस्तृत से बताया। दिन के 24 घंटे कैसे सही तरहसे उपयोग में लाये जाये बताया जैसे 8 घंटे अच्छी सेहदमंद नींद के लिए, 2 घंटे खुदके स्वास्थ्य के लिए जो बहुत जरूरी है जिसमें आप व्यायाम, योगासन, प्राणायाम इ कर सकते हैं। 6 घंटे अपने नियमित शिक्षाविदों और पढ़ाई में लगाना है। 2 घंटे समय जानकारी के लिए सोशल मीडिया का न्यायिक उपयोग करना है। 2 घंटे व्यक्तिगत रचनात्मकता और शौक के लिए देना है। 2 घंटे टीवी देखना, घर के अंदर खेले जाने वाले खेल के लिए देना। 1 घंटे घर के बाकि काम के लिए और बचा हुआ 1 घंटा दूसरे दिन की कार्य योजना के लिए देना है। इस तरह उन्होंने शैक्षणिक, गैरशैक्षणिक, पाठ्योत्तर, सामाजिक विकास के लिए विद्यार्थियों को मार्गदर्शन किया।



प्राचार्य डॉ. बाहेती

वंजारी, सचिव अभिजित वंजारी और कोषाध्यक्ष डॉ. रिमता वंजारी ने महाविद्यालय

के प्राचार्य डॉ. जगदीश बाहेती और सभी प्रोफेसरों को ऑनलाइन शैक्षिक उपक्रम और

अन्य गतिविधियों के सफल कार्यान्वयन के लिए बधाई दी।



KNCP

Committed to Quality Pharmacy Education & Training

Amar Sewa Mandal's

Kamla Nehru College of Pharmacy

Butibori, Nagpur 441 108

Affiliated to Rashtrasant Tukadoji Maharaj Nagpur University, Nagpur

Approved by AICTE & Recognised by PCI.

E-mail: kncpbutibori@gmail.com

Website: knpharmacycollege.ac.in

KNCP Student Donate Sanitizer & Mask.....



Stay home stay safe ₹





KNCNP

Committed to Quality Pharmacy Education & Training

Amar Sewa Mandal's

Kamla Nehru College of Pharmacy

Butibori, Nagpur 441 108

Affiliated to Rashtrasant Tukadoji Maharaj Nagpur University, Nagpur

Approved by AICTE & Recognised by PCI.

E-mail: kncpbutibori@gmail.com

Website: knpharmacycollege.ac.in

Kamla Nehru College of Pharmacy

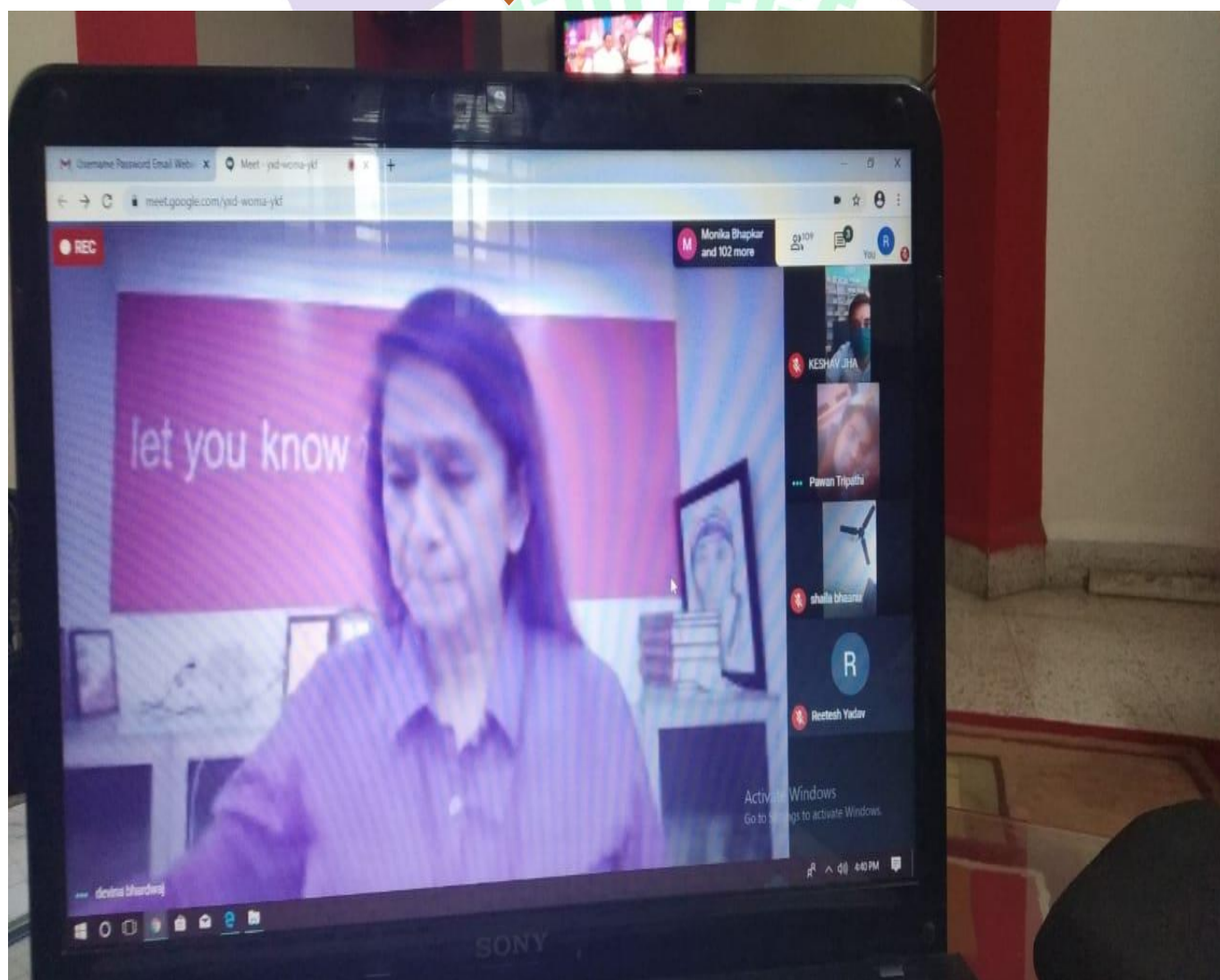
Organize

National Webinar Series on Work hard, Make money, Have fun-mantra for Entrepreneurship

By

Ms. Devina Bhardwaj

CEO, Intervein Laboratories, Ahmedabad.





KNCNP

Committed to Quality Pharmacy Education & Training

Amar Sewa Mandal's

Kamla Nehru College of Pharmacy

Butibori, Nagpur 441 108

Affiliated to Rashtrasant Tukadoji Maharaj Nagpur University, Nagpur

Approved by AICTE & Recognised by PCI.

E-mail: kncpbutibori@gmail.com

Website: knpharmacycollege.ac.in

Kamla Nehru College of Pharmacy

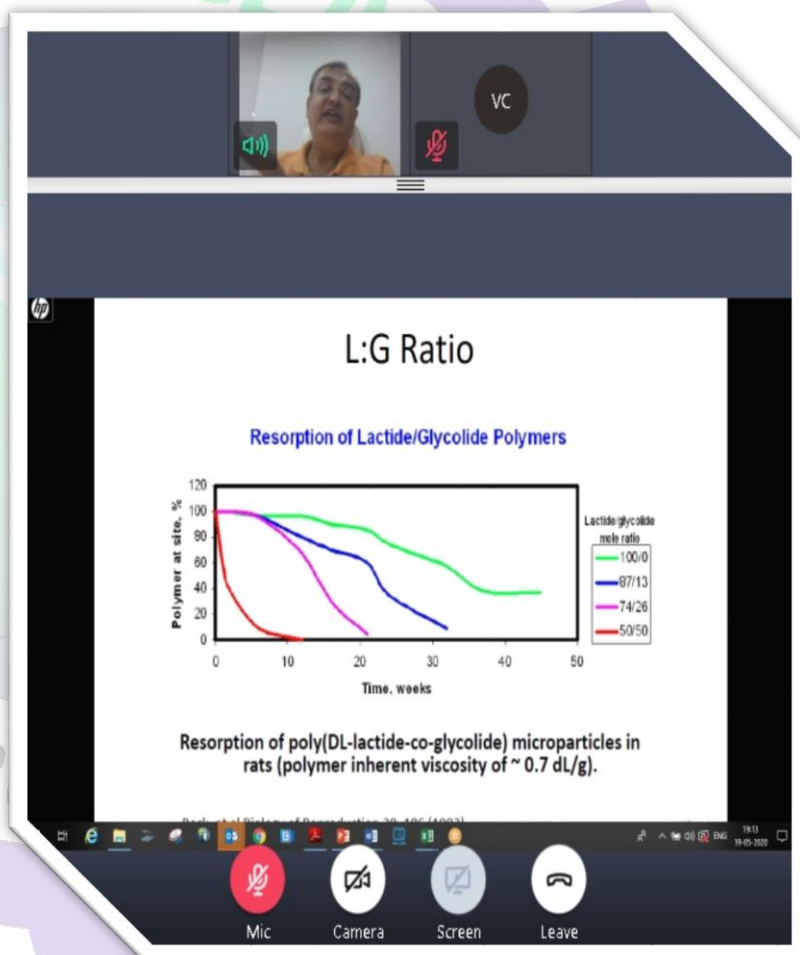
Organize

National Webinar Series on Biodegradable Polymer Based Depot Injection

By

Dr. Dhiraj Chopra

VP R & D, Amneal Pharmaceuticals Pvt. Ltd.





KNCP

Committed to Quality Pharmacy Education & Training

Amar Sewa Mandal's

Kamla Nehru College of Pharmacy

Butibori, Nagpur 441 108

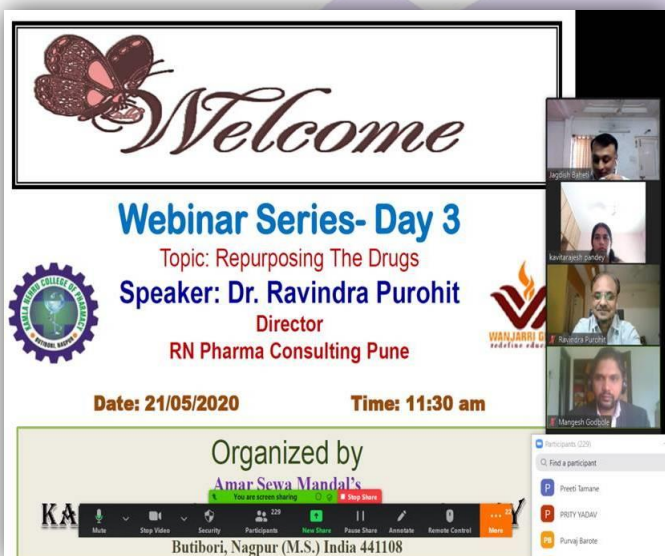
Affiliated to Rashtrasant Tukadoji Maharaj Nagpur University, Nagpur

Approved by AICTE & Recognised by PCI.

E-mail: kncpbutibori@gmail.com

Website: knpharmacycollege.ac.in

Kamla Nehru College of Pharmacy Organize National Webinar Series on Repurposing the Drugs By Dr. Ravindra Purohit Director, RN Pharma Consulting, Pune.



Welcome

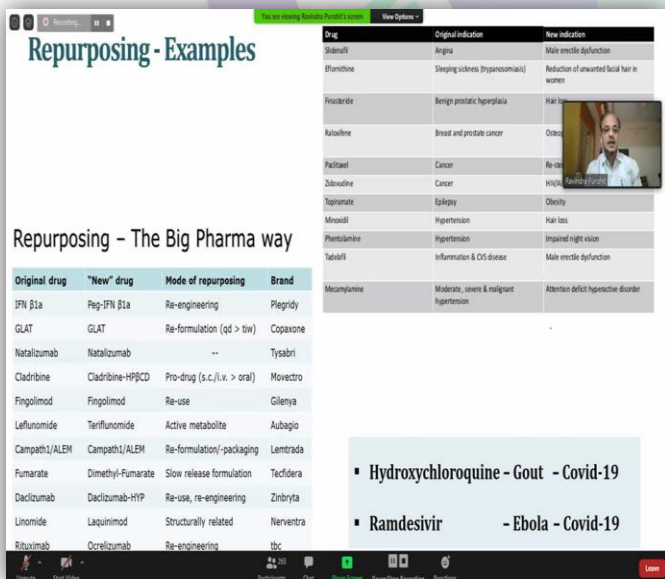
Webinar Series- Day 3
Topic: Repurposing The Drugs
Speaker: **Dr. Ravindra Purohit**
Director
RN Pharma Consulting Pune

Date: 21/05/2020 Time: 11:30 am

Organized by
Amar Sewa Mandal's
Butibori, Nagpur (M.S.) India 441108

Key Elements- Drug Repurposing

1. Early Stage Dose Determination
2. Permeability Studies
3. Clinical Dose Determination
4. CMC Development – Critical Studies based on dosage form e.g.
 - a. Dissolution profile – Solid Orals
 - b. Steady State Plasma concentration – IV Parenteral
 - c. Emitted Dose, Fine Particle Dose by Cascade Impactor – Inhalation
5. Clinical Trials



Repurposing - Examples

Repurposing – The Big Pharma way

Original drug	"New" drug	Mode of repurposing	Brand
IFN β 1a	Peg-IFN β 1a	Re-engineering	Plegridy
GLAT	GLAT	Re-formulation (qd > tid)	Copaxone
Natalizumab	Natalizumab	---	Tysabri
Cladribine	Cladribine-H β CD	Pro-drug (s.c./i.v. > oral)	Movectro
Fingolimod	Fingolimod	Re-use	Gilenya
Lefunomide	Terifunomide	Active metabolite	Aubagio
Camptoth-1/ALEM	Camptoth-1/ALEM	Re-formulation/-packaging	Lemtrada
Fumarate	Dimethyl-Fumarate	Slow release formulation	Tecfidera
Dacizumab	Dacizumab-HYP	Re-use, re-engineering	Zinbryta
Linomide	Lacquinimod	Structurally related	Nerventra
Rituximab	Ocrelizumab	Re-engineering	trc

- Hydroxychloroquine – Gout – Covid-19
- Ramdesivir – Ebola – Covid-19

Current Challenges in Drug Development - Global

Synthetic molecule development (Du Novo) :

- Millions of Chemical moieties investigated- High attrition rates.
- The pipeline for BCS Class I, II and III is almost dry.
- Extremely few moieties are being discovered (that too in BCS Class IV).
- Resultant drying up of the product pipeline.
- Substantial Development Costs (in Billions of Dollars)

Result :

- Increasing dependence on PLM (Product Lifecycle Management)
- Challenges in maintaining Growth.

Emerging Strategies:

- FDC (Fixed Dose Combinations)
- Biological Molecules
- Change in Route of Administration



KNCP

Committed to Quality Pharmacy Education & Training

Amar Sewa Mandal's

Kamla Nehru College of Pharmacy

Butibori, Nagpur 441 108

Affiliated to Rashtrasant Tukadoji Maharaj Nagpur University, Nagpur

Approved by AICTE & Recognised by PCI.

E-mail: kncpbutibori@gmail.com

Website: knpharmacycollege.ac.in

Kamla Nehru College of Pharmacy

Organize

National Webinar Series on Modified Release (MR) Formulations Selection Guide

By

Dr. Krishnakant Gandhi

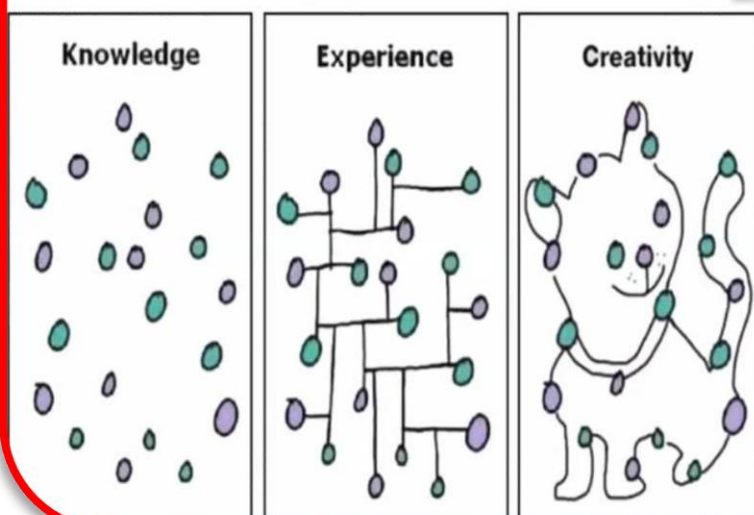
Managing Director, Solinova Life Sciences Pvt. Ltd. Hyderabad.

Modified Release (MR) Formulations: SELECTION GUIDE

Krishnakant Gandhi
Managing Director
Solinova Life Sciences
Hyderabad



Connecting Dots





KNCNCP

Committed to Quality Pharmacy Education & Training

Amar Sewa Mandal's

Kamla Nehru College of Pharmacy

Butibori, Nagpur 441 108

Affiliated to Rashtrasant Tukadoji Maharaj Nagpur University, Nagpur

Approved by AICTE & Recognised by PCI.

E-mail: kncpbutibori@gmail.com

Website: knpharmacycollege.ac.in

Principal Sir Article Publish on News Paper

6

नागपुर दि. 7 से 13 मई 2020

फार्मासिस्ट टाइम्स

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और फार्मास्युटिकल अनुसंधान

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक तेजी से आगे बढ़ने वाली तकनीक है, जिसे इंटरनेट द्वारा संभव बनाया गया है, जो जल्द ही हमारे दैनिक जीवन पर प्रभाव डाल सकता है। एआई पारंपरिक रूप से मानव जैसी बुद्धि को कृत्रिम रचना को सौंपित करता है जो प्राकृतिक भाषाओं को सीख, कारण, योजना, समझ या प्रक्रिया कर सकता है। ये सुविधाएँ एआई को अत्यधिक सामाजिक-आर्थिक अवसरों के साथ-साथ नैतिक और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों को लाने की अनुमति देती हैं। AI- आधारित एप्लिकेशन पहले से ही हेल्थकेयर डायग्नोस्टिक्स, टारगेटेड ट्रीटमेंट, ट्रांसपोजीशन, पब्लिक सेफ्टी, सर्विस रोबोट्स, एजुकेशन और एंटरटेनमेंट में दिखाई दे रहे हैं, लेकिन आने वाले कुछ सालों में और भी क्षेत्रों में काम किए जाएंगे। इंटरनेट के साथ, AI ने हमारी दुनिया का अनुभव करने का तरीका बदल दिया है और आर्थिक विकास के लिए एक नया इंजन बनने की क्षमता है। यद्यपि फार्मेसी उद्योग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अभी भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और निकट भविष्य के लिए भविष्यवाणियाँ बहुत आशावादी हैं। बेशक, रस निचोड़ने लायक है - AI दवा की खोज प्रक्रिया को तेज, सस्ता और अधिक प्रभावी बना सकता है। एआई में वास्तव में दवा विकास की पूरी प्रक्रिया को बदलने की क्षमता है। इसमें बेहतर मानव स्वास्थ्य के साथ अरबों रुपये बचाने की क्षमता है। वर्तमान में, एक भी दवा विकसित करने की अनुमानित लागत, खोज से, नैदानिक परीक्षणों के माध्यम से और एक नई दवा को बाजार में लाने में लगभग दस साल लगते हैं। और उसमें लगनेवाली लागत करीबन 1500 से 2000 करोड़ रुपये आ सकती है। ऐसा कहा जाता है कि 10 दवाओं में से केवल 1 ही इस लंबी और घुमावदार प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा कर पाएगी। इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि दवा कंपनियाँ पूरी प्रक्रिया को अधिक कुशल बनाने के लिए छोटे, सस्ते और आसान तरीकों की तलाश कर रही हैं। और यह वह जगह है जहाँ आधुनिक तकनीक - मशीन लेखन, विश्लेषण और डेटा विज्ञान - ने काम किया है। यह कोई विज्ञान-कथा कहानी या भविष्य नहीं है। प्रौद्योगिकी के पास है! ऑनकोलॉजी में, उदाहरण के लिए, व्यक्तिगत रूप से रोगी डेटा और उसके चिकित्सा इतिहास का उपयोग करके समूहिक रूप से एआई एल्गोरिथ्म, कंप्यूटर उपलब्ध उपचार विकल्पों की समीक्षा कर सकता है और सबसे उपयुक्त दवा संयोजन की सिफारिश कर सकता है।



डॉ. जगदीश बोले
प्राचार्य कमला नेहरू कॉलेज ऑफ
फार्मेसी, बुटीबोरी नागपुर,
9923380130

सकता है। यह AIML डुप्लिकेट प्रविष्टियों जैसी डेटा त्रुटियों को भी कम कर सकता है। एआई एल्गोरिथ्म, इसलिए, नैदानिक परीक्षणों के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों को इंगित कर सकते हैं। परिणामस्वरूप, यह फार्मसियों में पशु परीक्षण और मानव नैदानिक परीक्षणों को कम कर देता है, क्योंकि उनकी भागीदारी के बिना अधिक डेटा प्राप्त किया जा सकता है।

फार्मेसी में एआई एल्गोरिथ्म

क्या अधिक है, डेटा विश्लेषण में एआई बहुत उपयोगी है। मशीन लर्निंग एल्गोरिथ्म बायोमार्कर का पता लगाने के लिए मानव शरीर में अरबों अणुओं की स्क्रीनिंग कर सकते हैं - 100% निश्चितता के साथ हम उन बीमारियों को दिखाते हैं जो उनके कण इंगित करते हैं। यह प्रक्रिया को तेज और सस्ता बनाता है।

ATOMNET फार्मेसी उद्योग में AI एल्गोरिथ्म का एक उदाहरण है। DEEP लर्निंग न्यूरोल नेटवर्क एक एप्लिकेशन, जिसे दवा की खोज में सहायता के लिए डिज़ाइन किया गया है। परियोजना के पीछे कंपनी का कहना है कि यह सीएनएन प्रौद्योगिकी जटिल तंत्रिका नेटवर्क पर आधारित है और परमाणुओं के संयोजन से संभव अणुओं को बनाने में मदद करता है।

परमाणु आमतौर पर एक-दूसरे के साथ बंधन के लिए तैयार नहीं होते हैं। कभी-कभी यह आसानी से होता है और कभी-कभी दो या अधिक विभिन्न परमाणुओं को एक अणु में संयोजित करना बहुत मुश्किल होता है, उदाहरण के लिए कुछ मामलों में आपने इसे संभव बनाने के लिए एक चुंबकीय क्षेत्र बनाया है। तो परमाणुओं को सही जोड़ी खोजने में समय लगता है। कंपनी का कहना है कि इसके एल्गोरिथ्म को अरबों परमाणुओं का विश्लेषण करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है ताकि अंततः एक कुशल यौगिक बनाया जा सके। वांछनीय यौगिक बनाने की रणनीति को रैली (संरचनात्मक विकास के लिए राहत सीखने) कहा जाता है और दो कार्यों को पूरा करता है। सबसे पहले, यह एक विशिष्ट सुविधा के अनुकूल यौगिकों को बनाने में मदद करता है। और दूसरी बात, यह एक दवा के अवांछित दुष्प्रभावों को कम करता है।

सारांश - फार्मेसी में MACHINE LEARNING निस्संदेह एक उकूट मील का पत्थर है। अब से 10-12 वर्षों में, दवा तैयार करने की प्रक्रिया तेज, सस्ती और अधिक सटीक होगी। यह अनुमान लगाया गया है कि AI वर्षों के बजाय दवा तैयार करने के समय को कई हफ्तों तक कम कर देगा।

एआई के साथ उपचार की भविष्यवाणी करना

उपचार की भविष्यवाणी करना एक अन्य क्षेत्र है जिसमें कृत्रिम बुद्धि फार्मेसी में उपयोगी होगी। फिर भी अब डेटा विज्ञान समाधान उपलब्ध हैं जो किसी को यह अनुमान लगाने की अनुमति देते हैं कि क्या दी गई दवा या उपचार वांछित परिणाम देगा। इसे रिवर्स इंजीनियरिंग और फॉरवर्ड सिमुलेशन (REFS) कहा जाता है और यह मशीन सीखने पर आधारित है।

एआई फार्मेसी का भविष्य है

फार्मेसी उद्योग के लिए एआई कार्यान्वयन हर तरह से फायदेमंद है। इससे ड्रग्स विभाग द्वारा अनुमोदित होने और बाजार तक पहुंचने में लगने वाले समय में कमी आती है। यह प्रत्येक रोगी की स्थिति और स्थिति को देखते हुए बहुत सटीक उपचार प्रदान करता है। और अंत में, यह गलत निदान के जोखिम को कम करता है, क्योंकि उपचार दुनिया भर के अरबों रोगियों के डेटा पर आधारित है।

अब यह स्पष्ट है - यदि आप एक फार्मास्युटिकल कंपनी चलाते हैं तो आपको मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और डेटा साइंस सॉल्यूशंस जैसी चीजों से परिचित होना चाहिए। यह कोई विकल्प नहीं है। यह एक आवश्यकता है कि दवा के विकास के लिए एआई को लागू करने वाली कंपनियों ने तेजी से प्रगति की है। यह उम्मीद की जाती है कि अगले 10 वर्षों में एआई फार्मेसी में लगभग संपूर्ण अनुसंधान और विकास का काम संभालेगा।

वैज्ञानिकों ने फार्मेसी में एआई की क्षमता को देखा, खासकर दो मुख्य क्षेत्रों में

- ड्रग डिज़ाइन विकास और खोज
 - उपचार की भविष्यवाणी
- अब हम इन क्षेत्रों में से प्रत्येक पर ध्यान केंद्रित करें और फार्मेसी के लिए व्यावसायिक भागीदार एआई कैसे फायदेमंद हो सकता है।

AI एनालिटिक्स के साथ ड्रग डिज़ाइन

दवा के विकास में पहला कदम किसी दिए गए रोग और उसकी प्रतिरक्षा प्रणाली के जैविक मूल को समझना है। हालाँकि, पारंपरिक प्रक्रिया में बड़ी संख्या में डेटा स्रोतों को एकत्र करना बहुत चुनौतीपूर्ण है - और फिर प्रासंगिक पैटर्न ढूँढ़ने मशीन लर्निंग एल्गोरिथ्म सेकंड में हजारों स्रोतों का आसानी से विश्लेषण कर सकता है। और यह पहले से ही होता है! एमआईटी वैज्ञानिकों ने एक प्रणाली विकसित की है जो उपलब्ध विज्ञान डेटा का विश्लेषण करती है और उसी के आधार पर एक कम्पाउंड का निर्माण करती है। जब भी वैज्ञानिक एक नई दवा विकसित करते हैं, तो उनके सामने एक और चुनौती होती है क्लिनिकल ट्रायल। सफल होने के लिए आपको सही उम्मीदवारों - पहले जानवरों और फिर इंसानों को खोजने की जरूरत है। मशीन के साथ एआई इन उम्मीदवारों को खोजने और गलत लोगों को खारिज करने की प्रक्रिया को तेज कर सकता है। एआई विश्लेषक परीक्षणों के लिए सही रोगी की पहचान करने के लिए आनुवंशिक जानकारी का विश्लेषण कर



KNCP

Committed to Quality Pharmacy Education & Training

Amar Sewa Mandal's

Kamla Nehru College of Pharmacy

Butibori, Nagpur 441 108


Affiliated to Rashtrasant Tukadoji Maharaj Nagpur University, Nagpur

Approved by AICTE & Recognised by PCI.


E-mail: kncpbutibori@gmail.com

Website: knpharmacycollege.ac.in

Various Competitions Organise on Covid-19 by College



Amar Sewa Mandals
Kamla Nehru College of Pharmacy
 Butibori, Dist. Nagpur- 441 108
 Organize



e-Poster Competition

On
COVID-19 Pandemic

No Fees

Topic: *Epidemiology of COVID-19 pandemic

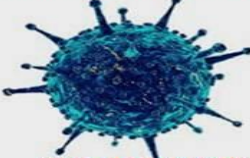
- Role of Pharmacist in control & Prevention measures in COVID-19 pandemic
- Impact of Lockdown in Current economy / Mental health
- Encouraging Corona fighters for their contribution
- Impact of Online teaching in Academic performance
- Pharma-sector working on Corona Vaccine
- Stop Social Stigma of corona Patients.
- Corona and Its impact on Pharma-sector

Mail your entries to kncpbutibori@gmail.com or <https://forms.gle/VWba9xtpeS17GXxh6>

e-Poster submission: poster must be

- ✓ Self explanatory
- ✓ Abstract, Introduction, Method, Discussion, Result
- ✓ Text 25pts
- ✓ Plagiarized
- ✓ File format only .ppt/.pptx and pdf

All entries will be Awarded with Certificate
 Registration is compulsory
Prizes*: First prize Rs. 2000/-
Second prize : Rs. 1000/-
Last date for submission is 15th May 2020



Dr. Mahendra Gunde
 Scientific Committee
 9545500995

Dr. J. R. Baheti
 Convener & Principal
Manish Kamble
 Co-Convener
 8668561859

Disha Dhabarde
 Scientific Committee
 9881228644

Who can Participate? Open to all Pharmacy Students, PG/Research Scholars

* All Rights reserved



Amar Sewa Mandal's
Kamla Nehru College of Pharmacy
 Butibori, Nagpur 441108



National Level e-Essay Competition

on
COVID 19 Crisis

Organize

Topic (Any One)

1. COVID 19 Crisis: Role of Pharmacists
2. COVID 19 Crisis: Role of Immunity Boosters
3. COVID 19 Crisis: Impact on Indian Economy

No FEES

- Word Limit: 1000 – 2000 words
- Send your essay on: hkncp@gmail.com
- Last Date of Submission: 25th May, 2020
- Declaration of Results: 30th May, 2020
- Best 3 essay will be awarded with prizes and certificate
- Each participant will get e-certificate
- Submission Format: Times New Roman, 12 font, 1.5 line spacing
- Title of essay should be followed by Name of author, College Name, Contact number and email id.
- No Fees
- Open to all Pharmacy students, PG/research students

Dr. Jagdish R. Baheti
 Convenor & Principal
Dr. Parimal P. Katolkar
 Coordinator
 Contact Person & Co-coordinator
Dr. Deweshri Kerzare (95187 80449)